शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला

शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला के अंतर्गत 6 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के प्रतिभागियों को शास्त्रीय नृत्य कथक का प्रशिक्षण श्रीराम भारतीय कलाकेन्द्र, नईदिल्ली के वरिष्ठ नृत्याचार्य श्री धीरेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदान किया गया।

कार्यशाला का शुभारम्भ 30 अप्रैल, 2022 को हुआ एवं समापन कार्यक्रम 14 मई, 2022 को आयोजित हुआ। श्री विभाष उपाध्याय, उपाध्यक्ष, म.प्र. जनअभियान परिषद्, भोपाल के मुख्य आतिथ्य में, आचार्य रामराजेश मिश्र, पूर्व कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। साथ ही आमंत्रित अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

<u>सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान एवं परिचर्चा</u>

अकादमी एवं महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में सारस्वतम् के अतंर्गत स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृतज्ञों का अवदान शीर्षक व्याख्यान एवं परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर के कुलपति, प्रो. मधुसूदन पेन्ना उपस्थति थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के पूर्व कुलपति डॉ. मोहन गुप्त ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. विजयकुमार सी.जी., कुलपति एवं कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन उपस्थित थे।

वनजन कलाशिविर

कालिदास संस्कृत अकादमी, म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन द्वारा 21 से 30 जून, 2022 तक वनजन कलाशिविर एवं कार्यशाला का आयोजन पाटनगढ़, जिला–डिण्डौरी में म.प्र. टूरिज्म, मिडवे रिट्रीट रिसोर्ट में किया गया। इसमें आमंत्रित कलाकारों सुश्री मंगलाबाई मरावी, सुश्री जमनी बाई, लालपुर, श्री मोहन गीर, श्री पवन गीर, कौड़िया खेड़ा, जिला खण्डवा द्वारा महाकवि कालिदास साहित्य में वर्णित नायिकाओं का बैगा–गोदना, गोण्ड–गोदना, गोण्ड–कोरकू–गोदना, बंजारा–गोदना एवं भील–भिलाला–गोदना गोदना शैली में चित्रांकन किया गया। इन वरिष्ठ कलाकारों द्वारा क्षेत्र के प्रशिक्षुओं को अपनी–अपनी शैली का प्रशिक्षण भी दिया गया।

21 जून, 2022 को कार्यक्रम का शुभारम्भ पद्मश्री अर्जुनसिंह धुर्वे, चॉडा के मुख्य आतिथ्य में लोक संस्कृतिकार डॉ. विजय चौरसिया, गाड़ासरई की अध्यक्षता में, गोदना शैली की वरिष्ठ चित्रकार सुश्री शांतिबाई मरावी, लालपुर, समाजसेवी श्री राजेन्द्रसिंह सिसौदिया, गाड़ासरई एवं चित्रकार श्री आनन्दसिंह श्याम, भोपाल की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों का स्वागत व सम्मान कार्यक्रम प्रभारी श्री मुकेश काला एवं सहयोगी श्री विवेक शास्त्री कालिदास संस्कृत अकादमी द्वारा किया गया। इस अवसर पर म.प्र.टूरिज्म द्वारा अतिथियों का भी शॉल–श्रीफल से सम्मान किया। सत्र का संचालन श्री धनेश परस्ते, गाड़ासरई द्वारा किया गया।

वनजन कलाशिविर एवं कार्यशाला में गोदना का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए लालपुर से 03, डिण्डौरी से 01, गारकामट्टा से 06, करोंदा से 02, सनपुरी से 03 एवं पाटनगढ़ से 25 कुल 40 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इन्हें गोदना की पाँचों शैलियों का प्रायोगिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया तथा बिन्दुओं का संक्षिप्त रिकार्ड भी तैयार करवाया गया।

शिविर एवं कार्यशाला का समापन दिनांक 30 जून, 2022 को पद्मश्री दुर्गा व्याम, वरिष्ठ चित्रकार, भोपाल के मुख्य आतिथ्य, प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा चित्रकारों, प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का अवलोकन, कलाकारों का सम्मान एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। आमंत्रित अतिथियों का सम्मान, स्वागत डॉ. सन्तोष पण्ड्या, प्रभारी निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा किया गया। सत्र का संचालन एवं अभार कार्यक्रम प्रभारी श्री मुकेश काला द्वारा किया गया। प्राचीन सभ्यता की नगरी पाटनगढ़ के अनेक कलाकार एवं कलारसिक इस अवसर पर उपस्थित रहे।

वनजन

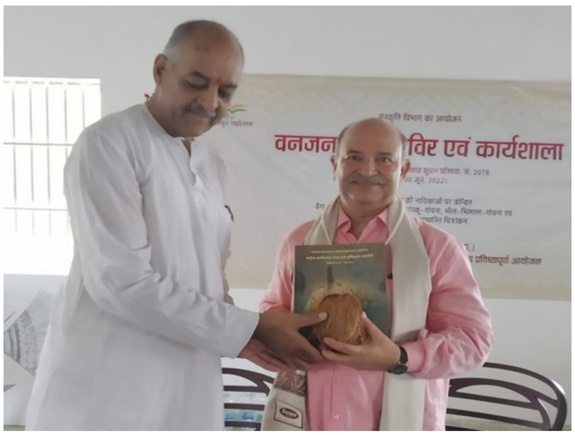
संस्कृति विभाग का आयोजन
वनजन
विर एवं कार्यशाला

वर्णागम शिविर, उज्जैन

दिनांक 25 जुलाई से 1 अगस्त, 2022 तक उज्जैन में धातु चित्र उत्कीर्णन कला पर आधारित वर्णागम शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ वरिष्ठ चित्रकार डॉ. श्रीकृष्ण जोशी के मुख्य आतिथ्य एवं विक्रम विवि के पूर्व कुलपति, डॉ. बालकृष्ण शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में खजुराहो जिला छतरपुर से पधारे श्री ओमप्रकाश सोनी, श्री राजुल सोनी, श्री दीपेश सोनी, श्री विनय सोनी इस विधा का प्रशिक्षण प्रशिक्षार्णियों को दे रहे हैं। स्वागत भाषण एवं आभार प्रदर्शन अकादमी की उपनिदेशक डॉ. योगेश्वरी फिरोजिया ने किया।

संस्कृत सम्भाषण शिविर, ग्राम–रामपुरा, तह. आष्टा, जिला–सीहोर

26 जुलाई से 28 अगस्त, 2022 तक आष्टा, जिला–सीहोर में संस्कृत के अभिमुखीकरण एवं व्यावहारिक संस्कारों के पोषण के उद्देश्य से संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें अनुसूचित जनजाति बहुल ग्राम में श्री सन्तोष कर्मा एवं श्री पवन शर्मा संस्कृत का प्रशिक्षण दे रहे हैं। शुभारम्भ विधि पर क्षेत्र के शिक्षा विभाग के पूर्व विकास खण्ड अधिकारी श्री ओमप्रकाश दुबे अतिथि थे। इस अवसर पर लगभग 100 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान एवं परिचर्चा, गुना

दिनांक 29 जुलाई, 2022 को सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान एवं परिचर्चा का आयोजन गुना में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना एवं विश्वगीता प्रतिष्ठानम् गुना ईकाई के सहकार से सारस्वतम् व्याख्यान सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता डॉ. गोविन्द मसूरे, सीहोर ने स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृतज्ञों का अवदान, डॉ. नारायण उपरेलिया, गुना ने संस्कृत की वर्तमान दशा एवं दिशा तथा डॉ. विष्णुनारायण तिवारी, ग्वालियर ने अध्यक्षता करते हुए श्रीमद्भगवद्गीता का सामाजिक सन्देश शीर्षक विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के डॉ. निरंजन श्रोत्रिय विशिष्ट अतिथि थे। अन्य आमंत्रित विद्वानों ने परिचर्चा में सहभागिता की। अतिथियों का स्वागत अकादमी के प्रभारी निदेशक डॉ. सन्तोष पण्ड्या ने किया।

संस्कृत सम्भाषण शिविर ग्राम–बैकल्दा, तह. पेटलावद, जिला–झाबुआ

दिनांक 1 से 30 अगस्त, 2022 तक वाल्मीकि समारोह के मद से अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्र में संस्कृत के संस्कारों के पोषण के उद्देश्य से संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लगभग 130 ग्रामवासियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

स्वतंत्रता दिवस

दिनांक 15 अगस्त, 2022 को कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन कार्यालय में प्रभारी निदेशक, डॉ. सन्तोष पण्ड्या एवं उपनिदेशक, डॉ. योगेश्वरी फिरोजिया की उपस्थिति में समस्त स्टॉफ सहित अकादमी परिसर में ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

सद्भावना दिवस

दिनांक 18 अगस्त, 2022 को कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन कार्यालय में प्रभारी निदेशक, डॉ. सन्तोष पण्ड्या एवं उपनिदेशक, डॉ. योगेश्वरी फिरोजिया की उपस्थिति में समस्त स्टॉफ ने प्रातः 11:00 बजे सद्भावना की शपथ ग्रहण की।

संस्कृत गौरव दिवस, विदिशा

दिनांक 15 एवं 16 अगस्त को संस्कृत गौरव दिवस का आयोजन किया गया। उद्घाटन के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव थे, अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष, नगर पालिका श्री मुकेश टण्डन ने की तथा सारस्वत अतिथि प्रो. रमाकान्त पाण्डे, भोपाल थे। इसके पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल के नाट्यदल द्वारा स्वतंत्रता संग्राम पर केन्द्रित संस्कृत नाटक भारतविजयम् की प्रस्तुति की गई।

16 अगस्त को प्रातः 10 बजे संस्कृत साहित्य में नीतिकथा शीर्षक शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता डॉ. परमानन्द मिश्र, विदिशा एवं डॉ. शीतांशु त्रिपाठी, कैथल ने की। इसमें छः विद्वानों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का द्वितीय सत्र 3 बजे से आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता डॉ. हरिराम रैदास एवं डॉ. ओंकारसिंह जमरा, भोपाल ने की। इस सत्र में सात विद्वानों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इसके पश्चात् उज्जैन के कलाकारों ने कुमारी तनिषा अखण्ड के निर्देशन में कृष्णं वन्दे जगद्गुरु शीर्षक नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की गई।

कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन का प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन
संस्कृतगौरवदिवसमहोत्सवः

कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन का प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन

बालनाट्य समारोह, उज्जैन

दिनांक 17–18 अगस्त, 2022 को बालनाट्य समारोह आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री मुकेश टटवाल, महापौर, नगर पालिक निगम, उज्जैन तथा अध्यक्ष के रूप में माननीय प्रो. केदारनारायण जोशी, वरिष्ठ संस्कृत विद्वान, उज्जैन उपस्थित थे। प्रथम नाट्य प्रस्तुति अंकुर रंगमंच समिति, उज्जैन द्वारा मध्यमव्यायोगः की प्रस्तुति श्री रवि सोनवणे के निर्देशन में की गई, इसी प्रकार द्वितीय प्रस्तुति श्लोक समाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान, उज्जैन द्वारा भगवदज्जुकम् की प्रस्तुति सुश्री प्रीति मालवीय के निर्देशन में की गई।

18 अगस्त, 2022 को कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, वरिष्ठ इतिहासविद् एवं अध्यक्ष के रूप में माननीय श्री विश्वास शर्मा, वरिष्ठ रंगकर्मी उपस्थित थे। इस दिवस प्रथम नाट्य प्रस्तुति रंगशाला संस्था, उज्जैन द्वारा अमरबलिदानम् की प्रस्तुति श्री शंकरलाल कैथवास के निर्देशन एवं द्वितीय प्रस्तुति दिव्य ज्ञान ज्योति कबीर सामाजिक विकास समिति उज्जैन द्वारा रघुवंशवर्धनम् की प्रस्तुति श्री दुर्गेश बाली के निर्देशन में की गई।

समरस कलाशिविर, खजुराहो

समरस कलाशिविर का आयोजन खजुराहो जिला–छतरपुर में दिनांक 21 से 27 अगस्त, 2022 तक किया गया। कार्यक्रम की उद्घाटन विधि पद्मश्री डॉ. अवधकिशोर जड़िया, वरिष्ठ साहित्यकार एवं मंजूषा कलागुरु श्री मनोजकुमार पण्डित की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इसमें आमंत्रित 11 कलाकारों द्वारा महाकवि कालिदास की रचना मेघदूतम् पर केन्द्रित अंग प्रदेश बिहार की मंजूषा कला शैली पर चित्रांकन किया गया एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण भी दिया गया।।

शिविर का समापन दिनांक 27 अगस्त, 2022 श्रीराम टूरिस्ट होम, खजुराहो में किया गया। समापन विधि के विशिष्ट अतिथि श्री हिमांशु द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, नाट्य एवं रंगमंच, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मुख्य अतिथि श्री किशन सोनी, वरिष्ठ चित्रकार, झांसी (उ.प्र.) एवं श्री डी.पी. द्विवेदी, एस.डी.एम., राजनगर, जिला–छतरपुर (म.प्र.) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कलाकार श्री मनोज कुमार पण्डित 'मंजूषा गुरु', श्री पवनकुमार सागर, श्री अमन सागर, सुश्री वर्षाकुमारी, श्री यशराज, सुश्री सुमना, सुश्री प्रीति कुमारी, सुश्री गुंजनकुमारी–भागलपुर, सुश्री गीतादेवी, श्री अश्वनी आनन्द–नवगछिया, सुश्री बेबीदेवी–चम्पानगर एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्रों का वितरण अतिथियों द्वारा किया जाएगा। समापन अवसर पर कलाकरों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इस शिविर में 11 कलाकरों सहित 17 प्रशिक्षणार्थियों ने शिविर का लाभ प्राप्त किया।

संस्कृत नाट्य समारोह, उज्जैन

पारंपरिक संस्कृत नाट्य के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से संस्कृत नाट्य समारोह का शुभरम्भ 18 सितम्बर, 2022 को नगर पालिक निगम उज्जैन की सभापति श्रीमती कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य एवं महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के सचिव डॉ. विरूपाक्ष जड्डीपाल की अध्यक्षता में किया गया। शुभारम्भ पश्चात् संस्कृत नाटक नृत्यकुटम् की प्रस्तुति मुम्बई मराठी साहित्य संघ, मुम्बई द्वारा श्री सुमेध उन्हालकर के निर्देशन में की गई। द्वितीय दिवस 19 सितम्बर को समापन विधि के मुख्य अतिथि प्रो. विजयकुमार सी.जे. कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन थे तथा अध्यक्षता श्री सतीश दवे, वरिष्ठ रंगकर्मी, उज्जैन ने की। समापन अवसर पर संस्कृत नाटक अभिज्ञानशांकुन्तलम् की प्रस्तुति मालवा सांस्कृतिक परिषद्, उज्जैन द्वारा श्री सुन्दरलाल मालवीय एवं श्री दुर्गेश बाली के निर्देशन में की गई।

संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला, उज्जैन

संस्कृत रंगकर्म के संस्कारों के पोषण के उद्देश्य से संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण शिविर का 21 सितम्बर, 2022 से किया जा रहा है। इस नाट्य प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ नाट्य निर्देशक श्री लोकेन्द्र त्रिवेदी, नई दिल्ली द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को संस्कृत रंगकर्म की बारीकियों के साथ महाकवि कालिदास की विश्वविख्यात कृति ''मालविकाग्निमित्रम्'' नाटक का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा इस वर्ष आयोजित होने वाले अ.भा.कालिदास समारोह में इस नाटक की प्रस्तुति की जाना संकल्पित है।

अ.भा.कालिदास समारोह, उज्जैन

मध्यप्रदेश शासन के तत्त्वावधान में विक्रम विश्वविद्यालय एवं कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा 4 से 10 नवम्बर, 2022 तक अखिल भारतीय कालिदास समारोह का आयोजन किया गया। पूर्वरंग में गढ़कालिका देवी के मन्दिर में वागर्चन की विधि 2 नवम्बर को सम्पन्न हुई। कलशयात्रा का आयोजन 3 नवम्बर को प्रातः 10.00 बजे शिप्रा तट, रामघाट से किया गया।

3 नवम्बर को रात्रि 07:00 बजे नान्दी के अन्तर्गत डॉ. विवेक बनसोड़, उज्जैन द्वारा मंगलवाद्य वादन एवं पद्मश्री सुश्री मालिनी अवस्थी, लखनऊ द्वारा गायन की प्रस्तुति की गई।

समारोह का शुभारम्भ 4 नवम्बर को मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। सारस्वत अतिथि श्री तुलसीपीठाधीश्वर पद्मविभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी, चित्रकूट थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की संस्कृति मंत्री माननीया सुश्री उषा ठाकुर, मध्यप्रदेश शासन के उच्चशिक्षा मंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव, प्रो. विक्रम वि.वि., उज्जैन के कुलपति डॉ. अखिलेशकुमार पाण्डेय तथा संस्कृति संचालक

श्री अदितिकुमार त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति थी। अतिथियों ने दूर्वा, मेघदूत के भोजपुरी अनुवाद तथा चित्रकला केटलॉग का लोकार्पण किया तथा 'विक्रमोर्वशीयम्' पर केन्द्रित चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया।

इसी संध्या संस्कृत नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' की प्रस्तुति श्री लोकेन्द्र त्रिवेदी, नईदिल्ली के निर्देशन में की गई।

5 नवम्बर को प्रातः 10 बजे राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम सत्र में 'भारतीय संस्कृति की दीपशिखा कालिदास' विषय पर आमंत्रित विद्वानों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। अपराह्ण 02:30 बजे राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का प्रथम सत्र आयोजित हुआ।

सायं 05:00 बजे पं.सूर्यनारायण व्याख्यानमाला का आयोजन भारतीयता के पर्याय कालिदास विषय पर हुआ। इसमें पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, शिमला ने व्याख्यान दिया तथा सांस्कृतिक संध्या में सुश्री आयुर्धा शर्मा, उज्जैन द्वारा शास्त्रीय नृत्य कथक एवं पद्मभूषण श्री बुधादित्य मुखर्जी, कोलकाता द्वारा सितार वादन की प्रस्तुति की गई।

6 नवम्बर को आयोजित शोध संगोष्ठी में आमंत्रित विद्वानों ने शोधपत्रों का वाचन किया। अपराह्ण 02:30 शोध संगोष्ठी आयाजित की गई जिसमें आमंत्रित विद्वानों ने शोधपत्रों का वाचन किया। सायं 05:00 बजे 'रघुवंश की पाठालोचना' विषय पर पं.सूर्यनारायण व्यास व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रो. वसन्तकुमार भट्ट, अहमदाबाद ने व्याख्यान दिया। इसी संध्या शास्त्रीय नृत्य ओडिसी की श्री गजेन्द्र पण्डा एवं साथी, भुवनेश्वर एवं हिन्दी नाटक 'विक्रमसंवत्सर' श्री पियाल भट्टाचार्य, कोलकाता के निर्देशन में की गई।

7 नवम्बर को प्रातः 10:00 बजे संस्कृतकविसमवायः आयोजित हुआ। इसमें 20 कवियों ने संस्कृत काव्यपाठ किया। इसकी अध्यक्षता प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, इन्दौर ने की। इसके पश्चात् शोध संगोष्ठी का तृतीय सत्र आयोजित हुआ जिसमें विक्रम कालिदास पुरस्कार से चयनित शोधपत्र प्रस्तुत हुए।

सायं 05:00 बजे चित्रकला मर्मज्ञ कालिदास के नाटकों में व्यक्तिचित्र विषय पर महाकवि कालिदास व्याख्यानमाला आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता डॉ. पंकज भाम्बुरकर, पुणे थे। डॉ. हरिहरेश्वर पोद्दार, उज्जैन द्वारा शास्त्रीय नृत्य कथक तथा द्वितीय प्रस्तुति मालवी नाटक 'मालव कीर्तिगाथा', रंगमठ, उज्जैन द्वारा श्री विशाल कलम्बकर, उज्जैन के निर्देशन में की गई।

8 नवम्बर प्रातः 10 बजे शोध संगोष्ठी–चतुर्थ सत्र आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता प्रो. केदारनारायण जोशी, उज्जैन ने की। सायं 05:00 बजे महाकवि कालिदास व्याख्यानमाला 'कालिदास की भौगोलिक यात्रा' विषय पर आयोजित की गई। इसमें डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, उज्जैन ने व्याख्यान दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में डॉ. खुशबू पांचाल, उज्जैन द्वारा शास्त्रीय नृत्य कथक तथा सुश्री मेथिल देविका, त्रिवेन्द्रम् द्वारा शास्त्रीय नृत्य मोहिनीअट्टम् की एकल प्रस्तुति की गई।

9 नवम्बर को सायं 05:00 बजे महाकवि कालिदास व्याख्यानमाला का आयोजन 'वैदिक संस्कृति एवं कालिदास' विषय पर किया गया। इसमें मुख्य वक्ता प्रो. राजेश्वरप्रसाद मिश्र, कुरुक्षेत्र थे। इसी रात्रि सुश्री आयुषी त्रिवेदी, उज्जैन द्वारा शास्त्रीय नृत्य कथक तथा सुश्री कौशिकी चक्रवर्ती, कोलकाता द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में संतूर वादन की प्रस्तुति डॉ वर्षा अग्रवाल, उज्जैन तथा भरतनाट्यम् शैली में ऋतुसंहार नृत्यानाटिका की प्रस्तुति सुश्री संध्या पुरेचा, नईदिल्ली के निर्देशन में की गई।

समारोह की समापन विधि 10 नवम्बर, 2022 को सायं 04:00 बजे पं.सूर्यनारायण व्यास सांस्कृतिक संकुल में माननीय सुश्री अनुसुईया उइके, राज्यपाल, छत्तीसगढ़ के मुख्य आतिथ्य में, पूज्य स्वामी रंगनाथाचार्य जी, रामानुजकोट पीठाधीश्वर, उज्जैन के सारस्वत आतिथ्य में, माननीया संस्कृति मंत्री म.प्र.शासन सुश्री उषा ठाकुर की अध्यक्षता में एवं म.प्र.शासन के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव, माननीय श्री अनिल फिरोजिया, सांसद, उज्जैन–आलोट संसदीय क्षेत्र के विशिष्ट आतिथ्य में तथा माननीय श्री बहादुरसिंह चौहान, माननीय श्री पारस चन्द्र जैन, विधायक–उज्जैन–उत्तर एवं माननीय श्री मुकेश टटवाल, महापौर–उज्जैन, माननीय सुश्री वन्दना पाण्डे, उपसंचालक, संस्कृति संचालनालय, म.प्र., भोपाल की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई। स्वागत भाषण एवं समारोह के प्रतिवेदन का वाचन प्रभारी निदेशक डॉ. सन्तोष पण्ड्या ने किया। आभार प्रदर्शन कुलपति प्रो. अखिलेशकुमार पाण्डेय, उज्जैन ने दिया। राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रतियोगिता के विजेता कलाकारों तथा विक्रम कालिदास पुरस्कार के शोधपत्र लेखकों को पुरस्कृत किया। रात्रि में डॉ. संध्या पुरेचा, नईदिल्ली के निर्देशन में भरतनाट्यम् नृत्य नाटिका की प्रस्तुति तथा डॉ. वर्षा अग्रवाल, उज्जैन द्वारा संतूर वादन किया।

अकादमी परिसर में राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी तथा कलाकारों द्वारा निर्मित रांगोली एवं अश्विनी शोध संस्थान, महिदपुर द्वारा संयोजित प्राचीन मुद्रा प्रदर्शनी लगाई गई।

युग निर्माण शिक्षण समिति उज्जैन (रजि.)
कालिदास वागर्चन समारोह

कालिदास
समारोह

समारोह

समारोह

समारोह

कालिदास संस्कृत अकादमी
म.प्र. संस्कृति परिषद

कालिदास संस्कृत अकादमी
म.प्र. संस्कृति परिषद

वाल्मीकि समारोह, चित्रकूट

श्रीराम संस्कृत महाविद्यालय, चित्रकूट के सहकार से वाल्मीकि समारोह का आयोजन 18–19 नवम्बर, 2022 को चित्रकूट में किया गया। उद्घाटन के मुख्य अतिथि सद्गुरु सेवासंघ, चित्रकूट के निदेशक ट्रस्टी श्री बी.के.जैन, विशिष्ट अतिथि श्रीमती उषा जैन, सारस्वत अतिथि प्रो. तुलसीदास परौहा, उज्जैन थे। इसके पश्चात् 'संस्कृतसाहित्ये श्रीसीता' शीर्षक शोध संगोष्ठी का सत्र आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता प्रो. कमलेश थापक, चित्रकूट ने की। इसमें 8 विद्वानों ने आलेख प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भक्ति गायन सुश्री प्रमिला कटारा, पेटलावद के निर्देशन में एवं जनजातीय नृत्य श्री गंगाप्रसाद डामर, ग्राम–भामल, तहसील–थांदला के निर्देशन में की गई।

द्वितीय दिवस शोध संगोष्ठी एवं समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके मुख्य अतिथि श्री अभय महाजन, निदेशक, दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट थे। अध्यक्षता महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति, प्रो. भरत मिश्र ने की। शोध संगोष्ठी के सत्र की अध्यक्षता डॉ. रामदत्त मिश्र, मथुरा ने की। संगोष्ठी में 12 विद्वानों ने शोधपत्रों का वाचन किया। इसके पश्चात् सुश्री अर्चना कटारा, ग्राम–गंगाखेड़ी, तहसील–पेटलावद, जिला–झाबुआ के निर्देशन में रामायण केन्द्रित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति कथक शैली में हुई।

कल्पवल्ली समारोह, उज्जैन

वैदिक परम्परा के संवर्धन के उद्देश्य से कल्पवल्ली का आयोजन 19–20 जनवरी, 2023 को किया गया। स्वामी वेदतत्त्वानन्द, भोपाल, प्रो. अजिता त्रिवेदी एवं डॉ. केदारनाथ शुक्ल, उज्जैन अतिथि थे। इसमें आमन्त्रित विद्वानों ने वेदशाखास्वाध्याय किया, अद्वैत वेदान्त पर केन्द्रित शोधपत्रों की प्रस्तुति की तथा परिष्कृति संस्था, उज्जैन द्वारा श्री शुभम सत्यप्रेमी के निर्देशन में सरमा–पणि संस्कृत नाटक की प्रस्तुति की गई।

कालिदास प्रसंग, मन्दसौर

ऐतिहासिक नगर मन्दसौर में कालिदास साहित्य पर केन्द्रित शोधसंगोष्ठी, लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन 21–22 जनवरी, 2023 को हुआ। विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया तथा प्रो. बालकृष्ण शर्मा पूर्व कुलपति विक्रम वि.वि., उज्जैन अतिथि थे। सुश्री स्मृति एम.पी., सुश्री बाला विश्वनाथ, टुमकुर, कर्नाटक तथा सुश्री हर्षिता महावरिया, श्री प्रफुल्लसिंह गेहलोत, देवास द्वारा कथक एवं भरतनाट्यम् नृत्य की प्रस्तुति एवं प्राचीन अस्त्र–शस्त्रों एवं कालिदास साहित्य पर केन्द्रित चित्रों की प्रदर्शनी का संयोजन भी इस अवसर पर किया गया।

भवभूति समारोह, ग्वालियर

दिनांक 30–31 जनवरी, 2023 को भवभूति समारोह में छात्रों की प्रतियोगिताएँ, शोधसंगोष्ठी, संस्कृतकविसम्मेलन तथा संस्कृत नाटक उत्तररामचरितम् की प्रस्तुति प्रेरणा जनशिक्षण समिति, ग्वालियर द्वारा की गई। उद्घाटन के अतिथि राजामानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलपति डॉ. साहित्यकुमार नाहर, जीवाजी विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ. डी.एस. गोस्वामी एवं वरिष्ठ संस्कृत विदुषी प्रो. मनुलता शर्मा, वाराणसी थे। नगर निगम ग्वालियर की ओर से विद्वानों का सम्मान महापौर श्रीमती डॉ. शोभा सिकरवार द्वारा किया गया।

भर्तृहरि प्रसंग, उज्जैन

भर्तृहरि प्रसंग का शुभारम्भ 13–14 फरवरी, 2023 माननीय डॉ. विरूपाक्ष जड्डीपाल, सचिव, महर्षि सांदीपनि वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के मुख्य आतिथ्य में, माननीय डॉ. मोहन गुप्त, वरिष्ठ संस्कृत विद्वान् एवं पूर्व आयुक्त उज्जैन की अध्यक्षता एवं डॉ. केदारनाथ शुक्ल, वरिष्ठ संस्कृतविद् के सारस्वत आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन पश्चात् सुश्री प्रीति बोरलिया एवं समूह, उज्जैन द्वारा भर्तृहरि एवं लोकगायन की प्रस्तुति की गई।

14 फरवरी, 2023 को आमन्त्रित विद्वानों ने भर्तृहरि साहित्य पर केन्द्रित शोधपत्रों की प्रस्तुति की। संगोष्ठी पश्चात् सुश्री अभिवृद्धि गेहलोद एवं समूह, उज्जैन द्वारा शास्त्रीय नृत्य कथक की प्रस्तुति की गई।

शांकर समारोह, ओंकारेश्वर

शांकर समारोह का शुभारम्भ 17–18 फरवरी, 2023 माननीय श्री प्रकाश परिहार, अध्यक्ष नगर पंचायत, ओंकारेश्वर, माननीय डॉ. सदानन्द त्रिपाठी, उज्जैन के आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर श्री दीपक भिलाला एवं साथी, शाजापुर द्वारा लोक एवं भक्तिगीतों की प्रस्तुति की गई। शोध संगोष्ठी का सत्र डॉ. हरिराम रैदास, भोपाल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इसमें 7 विद्वानों ने शोधालेख प्रस्तुत किए।

द्वितीय दिवस श्री रामचन्द्र गांगोलिया एवं साथी, उज्जैन द्वारा भक्ति संगीत की प्रस्तुति एवं सुश्री भावना कटारिया, उज्जैन द्वारा शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति की गई।

भोज समारोह, धार

2–3 मार्च, 2023 को भोज समारोह का शुभारम्भ माननीय श्री आशीष बसु, धार के मुख्य आतिथ्य में, माननीय डॉ. नीलाभा तिवारी, भोपाल के सारस्वत् आतिथ्य में, मा. श्री अनिल जैन, धार एवं डॉ. एस.एस. बघेल, धार के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर आमन्त्रित कलाकारों ने क्रांतिसूर्य टंट्या शीर्षक नाटक की प्रस्तुति की तथा जनजातीय लोकनृत्यों की प्रस्तुति की। संगोष्ठी के सत्र में आमन्त्रित विद्वानों ने शोधपत्रों का वाचन किया

संस्कृत कवि सम्मेलन, उज्जैन

संस्कृत रचनाधर्मिता के संवर्धन के उद्देश्य से अकादमी द्वारा 10 मार्च, 2023 को होली के पावन पर्व पर संस्कृतकविसमवाय का आयोजन उज्जैन में किया गया जिसकी अध्यक्षता वरेण्य विद्वान् प्रो. विन्ध्येश्वरीप्रसाद मिश्र, वाराणसी ने की तथा विशिष्ट अतिथि इतिहासविद् डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित थे। इस अवसर पर आमंत्रित कवियों ने संस्कृत के अनेक छन्दों में वसन्त, होली, राष्ट्रभक्ति तथा महाकवि कालिदास पर केन्द्रित रचनाओं का सुमधुर पाठ किया। इसके पश्चात् श्री महेश निर्मल तथा साथियों ने संस्कृत के गीतों की मधुर प्रस्तुति की।

अ.भा.राजशेखर समारोह, जबलपुर

15 से 17 मार्च, 2023 तक अ.भा. राजशेखर समारोह का आयोजन जबलपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ म.पाणिनि वै. एवं संस्कृत वि.वि., उज्जैन के मुख्य आतिथ्य में प्रो. कपिलदेव मिश्र, कुलपति, रा.दु.वि.वि., जबलपुर की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर शोधसंगोष्ठी के चार सत्र, लोकप्रिय व्याख्यान, छात्रीय प्रतियोगिताएँ तथा शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुति हुई। समारोह का समापन प्रो. रहसबिहारी द्विवेदी, प्रयागराज के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

जनजातीय लोक चित्रकला शिविर, बांधवगढ़

गोंड शैली में कालिदास के कुमारसम्भवम् पर केन्द्रित जनजातीय लोकचित्र कला शिविर का आयोजन दिनांक 22 से 29 मार्च, 2023 तक द सन रिसोर्ट, ताला, बांधवगढ़, जिला–उमरिया में किया गया। शिविर का उद्घाटन दिनांक 22 मार्च को माननीय श्री के.डी.त्रिपाठी, कलेक्टर, जिला–उमरिया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

समापन दिनांक 29 मार्च को वरिष्ठ चित्रकार पद्मश्री जुधईया बाई, उमरिया के मुख्य आतिथ्य एवं माननीय नागेन्द्रसिंह तिवारी, प्राचार्य, शा.उ.मा.वि. ताला, बांधवगढ़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा निर्मित चित्रों की प्रदर्शनी का संयोजन एवं कलाकारों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए जायेंगे।

सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान, 25 अप्रैल, 2023 – रतलाम

शासकीय कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रतलाम के सहकार से 25 अप्रैल, 2023 को सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यानमाला के अंतर्गत व्याख्यान एवं संस्कृत काव्यमाधुरी (संस्कृत गीतों का गायन) का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता प्रो. अंजना शर्मा, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली थीं। प्रो. वाय.के. मिश्रा, प्राचार्य, शासकीय कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रतलाम विशिष्ट अतिथि तथा डॉ. मुरलीधर चाँदनीवाला, वरिष्ठ संस्कृत विद्वान्, रतलाम अध्यक्ष थे। व्याख्यान पश्चात् आमन्त्रित कलाकारों द्वारा संस्कृत में रचित पारम्परिक स्तोत्रों एवं गीतों का गायन किया गया।

शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला, उज्जैन

कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा 15 दिवसीय शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ 30 अप्रैल, 2023 को वरिष्ठ नृत्यगुरु श्री संजीत गंगानी, नई दिल्ली एवं श्रीमती पद्मजा रघुवंशी, उज्जैन के मुख्य आतिथ्य में पं. सूर्यनारायण व्यास बहूद्देशीय सांस्कृतिक संकुल में हुआ। इस अवसर पर 200 प्रतिभागी उपस्थित थे।

इस 15 दिवसीय कार्यशाला का समापन 14 मई, 2023 वरिष्ठ नृत्याचार्य पं. श्रीधर व्यास के आतिथ्य मे सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर लगभग 200 प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कथक नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। प्रतिभागियों द्वारा प्रथम प्रस्तुति के रूप में गणेश वंदना एवं गणेश परण राग यमन में निबद्ध में की गई। द्वितीय प्रस्तुति सरस्वती वंदना तीन ताल विलम्बित लय राग–जोग में निबद्ध में, तृतीय प्रस्तुति गुरु वंदना तीन ताल मध्य लय, राग–वागेश्री में निबद्ध में, चतुर्थ प्रस्तुति वरिष्ठ नृत्याचार्य कार्यशाला प्रशिक्षण श्री संजीत गंगानी द्वारा एकल नृत्य एवं अंतिम प्रस्तुति विष्णु वंदना, ताल वसंत 9 मात्रा, राग शिव रंजनी में रंगारंग प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर आमन्त्रित अतिथियों पं. श्रीधर व्यास, श्रीमती पूनम व्यास, श्री अमित श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

वनजन कलाशिविर, तामिया, जिला–छिन्दवाड़ा

वनजन कलाशिविर का आयोजन महाकवि कालिदास के साहित्य पर केन्द्रित 18 से 25 जुलाई, 2023 तक तामिया, जिला–छिन्दवाड़ा में किया गया। 18 जुलाई को शिविर की शुभारम्भविधि सम्पन्न हुई।

शिविर का समापन 25 जुलाई, 2023 को स्थान–मोटल–तामिया, तामिया, जिला–छिन्दवाड़ा में डॉ. विजय माणिकराव ढोरे, वरिष्ठ चित्रकार, आगरा के मुख्य आतिथ्य, पद्मश्री दुर्गा व्याम, भोपाल, शिखर सम्मान प्राप्त श्री नर्मदाप्रसाद तेकाम, भोपाल एवं श्रीमती अगनेस केरकट्टा, भोपाल की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में पद्मश्री दुर्गा व्याम, भोपाल, श्री नर्मदाप्रसाद तेकाम, भोपाल (शिखर सम्मान), सुश्री अग्नेश केरकेट्टा, भोपाल, (शिखर सम्मान), सुश्री नन्दखुशिया श्याम, भोपाल, सुश्री रोशनी व्याम, भोपाल, सुश्री ज्योति उइके पाटनगढ़, श्री बिनामो गमांगो, श्री धर्मांगो सबर, श्री जोगी सबर, श्री कोदान्दा सबर, श्री जुनेश गमांगो, सभी रिजिंगटल पोस्ट पुत्तासिंग, वाई गुनुपुर, जिला–रायगढ़ा, (ओडिसा) ने महाकवि कालिदास के साहित्य पर आधारित चित्रांकन किया।

सारस्वतम्, दतिया

19 अगस्त, 2023 को संस्कृति, संस्कृत, संस्कार शिक्षा समिति एवं श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया के सहकार से सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान सह परिचर्चा का आयोजन किया दतिया में किया गया। इसमें आमन्त्रित विद्वानों ने ''संस्कृत भाषा एवं शास्त्रपरम्परा–नवीन शिक्षानीति के सन्दर्भ में'' शीर्षक पर अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम डॉ. रामेश्वरप्रसाद गुप्त, दतिया, डॉ. अभय कात्यायन, डॉ. श्रीकृष्ण शास्त्री, सेवढ़ा के अतिथ्य में एवं श्री विनोद भारद्वाज, पूर्व न्यायाधीश तथा सलाहकार, श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया की विशिष्ट सन्निधि में सम्पन्न हुआ।

बालनाट्य समारोह, उज्जैन

बच्चों में संस्कृत रंगमंच के संस्कारों के पोषण के उद्देश्य से दिनांक 23 एवं 24 अगस्त, 2023 को बालनाट्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाल कलाकारों द्वारा महाकवि कालिदास के साहित्य पर केन्द्रित संस्कृत के पारम्परिक 4 नाटकों की प्रस्तुतियाँ की गई।

23 अगस्त, 2023 को उद्घाटन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि माननीय श्री रूप पमनानी, वरिष्ठ समाजसेवी तथा माननीय श्री श्रीपाद जोशी, वरिष्ठ रंगकर्मी, उज्जैन थे। उद्घाटन कार्यक्रम पश्चात् ओंमकार सांस्कृतिक संस्थान, उज्जैन द्वारा श्री भूषण जैन के निर्देशन ''विक्रमोर्वशीयम्'' चतुर्थ अंक एवं त्रिनेत्रा सांस्कृतिक संस्थान, उज्जैन द्वारा श्री जगरुप सिंह के निर्देशन में ''अभिज्ञानशाकुन्तम्'' चतुर्थ एवं पंचम अंक की प्रस्तुति की गई।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस 18 अगस्त, 2022 को समापन अवसर पर श्री पायल लोककला मण्डल, दताना, पो.—मताना, उज्जैन द्वारा सुश्री विनीता परमार के निर्देशन में ''कुमारसम्भवम्'' एवं इसके अनन्तर मालविकाग्निमित्रम् नाटक की प्रस्तुति श्री पंकज आचार्य के निर्देशन में प्रतिभापरख नाट्यमंच शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान, उज्जैन द्वारा की गई। समापन अवसर के अध्यक्ष माननीय श्री केदारनाथ शुक्ल, वरिष्ठ संस्कृत विद्वान्, उज्जैन एवं विशिष्ट आतिथि माननीय श्री विभाष उपाध्याय, उपाध्यक्ष, म.प्र.जनअभियान परिषद्, उज्जैन थे।

संस्कृत गौरव दिवस, विदिशा

26–27 अगस्त, 2023 को पं.गगाप्रसाद पाठक ललित कला न्यास एवं जिला शिक्षा विभाग, विदिशा के सहकार से संस्कृत गौरव दिवस का आयोजन विदिशा में किया गया। विदिशा के पूर्व सभापति श्री मुकेश टण्डन, वरिष्ठ विद्वान् डॉ. भगवत्शरण शुक्ल, वाराणसी, वर्तमान सभापति श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, साहित्य अकादमी भोपाल के निदेशक श्री विकास दवे अतिथि थे। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कार राशि एवं प्रमाण–पत्र वितरित किये गये। इसके पश्चात् सुश्री भैरवी विश्वरुप एवं साथी, जबलपुर तथा श्रीमती सन्तोष देसाई एवं साथी इन्दौर ने कथक पर केन्द्रित नृत्य नाटिकाओं की प्रस्तुति की।

27 अगस्त, 2023 को प्रातः 10:30 बजे शोध संगोष्ठी का सत्र आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता डॉ. शीतलाप्रसाद पाण्डेय, वाराणसी ने की। डॉ. माण्डवीशरण त्रिपाठी, शहडोल एवं प्रो. शैलेन्द्र पाराशर, उज्जैन अतिथि थे। इस अवसर पर 16 विद्वानों ने अपने शोधपत्रों का वाचन किया। इसके पश्चात् श्री प्रकाश पाठक, विदिशा ने शास्त्री एवं उपशास्त्रीय गायन की प्रस्तुति की।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
G20
संस्कृत गौरव दिवस महोत्सवः
संवत्-2080 (26 एवं 27 अगस्त, 2023)

आज़ादी का अमृत महोत्सव
कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन का प्रतिष्ठापूर्ण
(26 एवं 27 अगस्त, 2023)
पाठक ललितकला न्यास, विदिशा

कालिदास संस्कृत अकादमी

कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन का प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन
G20

संस्कृत नाट्य समारोह, उज्जैन

संस्कृत रंगमंच के संवर्धन के उद्देश्य से संस्कृत नाट्य समारोह का आयोजन 20 से 22 सितम्बर, 2023 तक किया गया। समारोह का शुभारम्भ 20 सितम्बर को माननीय श्री पारसचन्द जैन, विधायक उज्जैन–उत्तर के मुख्य आतिथ्य में, माननीय प्रो. बालकृष्ण शर्मा, पूर्व कुलपति, विक्रम वि.वि., उज्जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात् यथार्थ सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, उज्जैन द्वारा श्री प्रकाश देशमुख के निर्देशन में महाकवि भास विरचित ''कर्णभारम्'' की प्रस्तुति की गई। समारोह के द्वितीय दिवस 21 सितम्बर को केन्दीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा डॉ. चन्नबसवस्वामी हिरेमठ के निर्देशन में जयदेव विरचित ''प्रसन्नराघवम्'' की प्रस्तुति की गई।

22 सितम्बर को समापन कार्यक्रम माननीय श्री रोशनकुमार सिंह, आयुक्त, नगर पालिक निगम, उज्जैन के मुख्य आतिथ्य में, माननीय प्रो. विजयकुमार मेनन, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति की अध्यक्षता में तथा वरिष्ठ रंगकर्मी माननीय श्री श्रीपाद जोशी के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात् जनस्थान रंगमंच, नासिक द्वारा सुश्री वैदेही मुळये के निर्देशन में ''वंचते–परिवंचते'' नाटक की प्रस्तुति की गई।

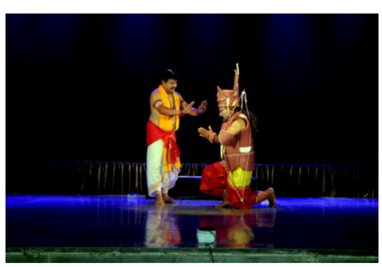

कालिदास स्मृति प्रसंग, उज्जैन

देवप्रबोधनी एकादशी के अवसर पर 23 नवम्बर, 2023 को विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के सहयोग से कालिदास स्मृति प्रसंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रातः महाकवि कालिदास की अराध्या माँ गढ़कालिका मंदिर पर वागर्चन की विधि सम्पन्न हुई। आमंत्रित विद्वानों द्वारा कालिदास विरचित श्यामलादण्डकम् का पाठ किया गया। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, माननीय डॉ. बालकृष्ण शर्मा, माननीय डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति, माननीय प्रो. सी.जी. विजयकुमार मेनन, डॉ. पियूष त्रिपाठी, डॉ. रमेश शुक्ल, श्री विनोद काबरा, संत सुन्दरदास सेवा समिति, उज्जैन के श्री मुकुल खण्डेलवाल जी उपस्थित थे। वागर्चन विधि के पश्चात् कालिदास अकादमी परिसर में महाकवि कालिदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा कालिदास विरचित ग्रंथों का पूजन् किया गया। तत्पश्चात् विद्वत् संगोष्ठी आयोजित की गई जिसके मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति माननीय प्रो. सी.जी विजयकुमार मेनन, सारस्वत् अतिथि के रूप में माननीय डॉ. बालकृष्ण शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने की।

विद्वत् संगोष्ठी का संचालन अकादमी की उपनिदेशक डॉ. योगेश्वरी फिरोजिया ने किया। प्रस्ताविक उद्‌बोधन एवं विद्वानों का सम्मान अकादमी के निदेशक डॉ. गोविन्द गन्धे ने किया। इस अवसर पर डॉ. शुभम् शुक्ला, डॉ. अपेन्द्र भार्गव, डॉ. सत्यम् शुक्ला, डॉ. द्विवेदी, डॉ. मीणा, डॉ. महेन्द्र पण्ड्या, डॉ. सर्वेश्वर शर्मा, डॉ. सन्तोष पण्ड्या आदि विद्वान् उपस्थित थे।

महाकवि कालिदास स्मृति-प्रसङ्ग
विद्वत् सङ्गोष्ठी

संत सुंदरदास सेवा संस्थान उज्जैन
आपका आत्मीय अभिनन्दन करता है

॥ कविकुलगुरु कालिदास ॥